vinetur

जर्मन ब्रुअरों ने बर्लिन के साथ घटती बीयर खपत पर लॉबिंग वार्ता का खुलासा किया

बुंडेसटाग में दाखिल एक रिपोर्ट में उद्योग ने नीति चर्चाओं में गैर-अल्कोहलिक बीयर की वृद्धि को युवा सुरक्षा के साथ जोड़ा।

बुधवार, 23 सितंबर 2026



जर्मनी के ब्रूइंग उद्योग ने घटती बीयर खपत, गैर-अल्कोहलिक बीयर के विस्तार और शराब-निवारण प्रयासों को संघीय सरकार के साथ अपने संपर्कों के केंद्र में रखा है, जर्मन बुंडेसटाग के लॉबी रजिस्टर में एक नई प्रविष्टि के अनुसार।

यह प्रविष्टि Deutscher Brauer-Bund, यानी German Brewers Association, द्वारा दाखिल की गई थी और 23 सितंबर को उस सार्वजनिक रजिस्टर में प्रकाशित हुई, जिसका इस्तेमाल संघीय संस्थानों को लक्षित लॉबिंग गतिविधियों के खुलासे के लिए किया जाता है। मामले को “बियर उद्योग के बाजार विकास और German Brewers Association की निवारक गतिविधियाँ” शीर्षक के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

अपने विवरण में, संघ ने कहा कि वह संघीय सरकार के प्रतिनिधियों के साथ जर्मन ब्रूइंग उद्योग की मौजूदा स्थिति, घटती बीयर खपत, गैर-अल्कोहलिक बियर की वृद्धि और समूह के निवारक कार्य पर बातचीत कर रहा है। उसने कहा कि ये निवारक गतिविधियाँ युवा सुरक्षा और इस संदेश पर केंद्रित हैं कि गर्भावस्था के दौरान शराब नहीं होनी चाहिए।

रजिस्टर प्रविष्टि इस मुद्दे को दो प्रभावित क्षेत्रों में रखती है: खाद्य और उपभोक्ता वस्तु उद्योग, तथा एक व्यापक स्वास्थ्य श्रेणी। यह संयोजन उल्लेखनीय है क्योंकि यह दिखाता है कि ब्रुअरों का समूह इस मुद्दे को केवल बाजार प्रश्न के रूप में नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और रोकथाम से जुड़े मुद्दे के रूप में भी पेश कर रहा है।

बुंडेसटाग रजिस्टर में यह भी कहा गया है कि ऐसी प्रविष्टियों की सामग्री केवल स्वयं हित-प्रतिनिधियों द्वारा दी गई जानकारी पर आधारित होती है। इस मामले में, दाखिले में किसी विशिष्ट विधेयक, मसौदा विनियमन या औपचारिक विधायी संशोधन का वर्णन नहीं है, जिसे आगे बढ़ाया जा रहा हो। इसके बजाय, यह इस विषय को ब्रूइंग में आर्थिक परिस्थितियों और शराब सेवन से जुड़ी निवारक अभियानों पर सरकार के साथ एक आदान-प्रदान के रूप में प्रस्तुत करता है।

फिर भी, यह दाखिला उन विषयों की स्पष्ट तस्वीर देता है जिन्हें उद्योग बदलती उपभोक्ता मांग के समय नीति-निर्माताओं के सामने रखना चाहता है। घटती बीयर खपत का संदर्भ बाजार के पारंपरिक मूल पर दबाव की ओर इशारा करता है। साथ ही, गैर-अल्कोहलिक बियर में वृद्धि का विशिष्ट उल्लेख दिखाता है कि संघ कहाँ गति देख रहा है।

यह संयोजन केवल ब्रुअरों के लिए ही नहीं, उससे आगे भी मायने रखता है। व्यापक पेय उद्योग के लिए, यह दाखिला संकेत देता है कि सार्वजनिक नीति चर्चाएँ निवारण लक्ष्यों को कम-जोखिम या अल्कोहल-रहित उत्पादों के व्यावसायिक उभार से increasingly जोड़ सकती हैं। इससे यह प्रभावित हो सकता है कि बीयर और अन्य पेय श्रेणियों की कंपनियाँ उत्पाद पोर्टफोलियो, विपणन और भविष्य के निवेश को कैसे देखती हैं। यदि अल्कोहल-रहित उत्पाद नीति और उपभोक्ता चर्चाओं में अधिक दिखाई देते रहे, तो यह अलग-अलग पैकेजिंग प्रारूपों और खुदरा स्थिति की मांग को भी आकार दे सकता है।

दाखिले में नामित निवारण विषय भी महत्वपूर्ण हैं। युवा सुरक्षा लंबे समय से शराब नीति में एक केंद्रीय मुद्दा रही है, और गर्भावस्था के दौरान शराब से बचने का संदेश एक मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता रहा है। इन विषयों को बियर उद्योग के बाजार विकास से जोड़कर, संघ दिखा रहा है कि वह एक ही नीति वार्ता में खपत प्रवृत्तियों और सामाजिक जिम्मेदारी संबंधी चिंताओं, दोनों को संबोधित कर रहा है।

यह प्रविष्टि यह नहीं बताती कि विनिमय में कौन-कौन से संघीय मंत्रालय या अधिकारी शामिल थे, और न ही यह संभावित अगले चरणों के लिए कोई समय-सीमा तय करती है। यह यह भी नहीं बताती कि क्या चर्चाएँ विज्ञापन, लेबलिंग, कराधान, स्वास्थ्य अभियानों या अन्य नियामकीय उपायों में नियोजित बदलावों से जुड़ी हैं। दाखिला केवल चर्चा के व्यापक विषयों तक सीमित है।

फिर भी, यह प्रकाशन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बर्लिन में उद्योग की मौजूदा प्राथमिकताओं को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज करता है। यह दिखाता है कि German Brewers Association औपचारिक पारदर्शिता प्रणाली का उपयोग करते हुए यह खुलासा कर रहा है कि वह संघीय सरकार से ब्रुअरों के सामने मौजूद दबावों, गैर-अल्कोहलिक बियर से जुड़े अवसरों और उस बहस में निवारण कार्य की भूमिका पर बात कर रहा है।

यह दाखिला ऐसे क्षेत्र से आता है जो बदलते उपभोग पैटर्न का जवाब देने की कोशिश कर रहा है, साथ ही उन नीति चर्चाओं में सक्रिय भी बना हुआ है जो व्यापार और स्वास्थ्य, दोनों को छूती हैं। रजिस्टर के शब्दों के आधार पर, संघ चाहता है कि इन दोनों धाराओं पर साथ-साथ विचार किया जाए : कम बीयर खपत की व्यावसायिक वास्तविकता और वे सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे जो तय करते हैं कि सरकार, उद्योग और उपभोक्ता शराब पर कैसे चर्चा करते हैं।